प्रेमचन्द्र

जीवन परिचय

जीवन परिचय –:

मुंशी प्रेमचन्द्र का जन्म वाराणसी जिले के लमही ग्राम में सन 1880 ई० में हुआ था। इनके बचपन का नाम धनपतराय था। प्रेमचन्द्र जी पहले उर्दू में नावाबराय के नाम से कहानियाँ लिखते थे बाद में जब हिन्दी में आये तो इन्होने प्रेमचन्द्र नाम से कहानियाँ लिखनी शुरू की। इनका जन्म एक साधारण कायस्थ-परिवार में हुआ था। बचपन में ही पिता की मृत्यु हो गई थीं। इनके पिता का नाम अजायबराय था। आर्थिक कठनाइयों के बावजूद भी इन्होने बड़े ही परिश्रम से अपना अध्ययन – क्रम जारी रखा। आरम्भ में कुछ वर्षो तक स्कूल की अध्यापकी करने के पश्चात् ये शिक्षा – विभाग में डिप्टी इंसपेक्टर हो गए। असहयोग आन्दोलन से प्रेरित होकर इन्होने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और आजीवन साहित्य – सेवा करते रहे। इन्होने कई पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। इनकी मृत्यु सन् 1936 ई० में हुई।

कृतियाँ –

उपन्यास –

1. गोदान
2. सेवासदन
3. कर्मभूमि
4. रंगभूमि
5. गबन
6. प्रेमाश्रम
7. निर्मला
8. वरदान

कहानी-संग्रह –

मुंशी प्रेमचन्द ने लगभग 300 कहानियाँ लिखी। उनके कहानी संग्रहो में

1. सप्तसुमन
2. नवनिधि
3. प्रेमपचीसी
4. प्रेमसदन
5. मानसरोवर

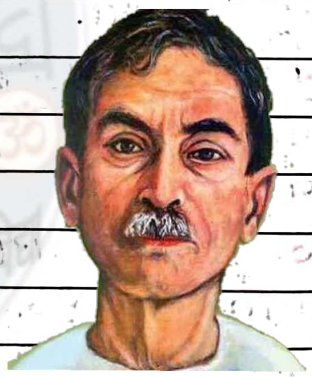

नाटक –

1. संग्राम
2. प्रेम की वेदी
3. कर्बला

निबन्ध –

1. कुछ विचार
2. साहित्य का उद्देश्य

सम्पादन –

1. माधुरी
2. मर्यादा
3. हंस
4. जागरण